

>

Title: Need to provide assistance out of Central Relief Fund to compensate the loss of crops due to cold waves in Rajasthan.

श्री राम सिंह कर्सवां (चुरू): मठोदय, राजस्थान में, विशेष रूप से मेरे संसदीय क्षेत्र चुरू के अंदर शीत लहर और पाता बिरने की वजह से गेहूं, सरसों, चना आदि की फसलें खाशब हो गई हैं। राजस्थान सरकार से बार-बार आग्रह किया है, किसानों ने धरना दिया है और विधानसभा में मामला उठाया गया है। राजस्थान सरकार कहती है कि पाता बिरने से और शीत लहर से फसलों को डुए नुकसान का सीआरएफ के अंतर्गत शहत नहीं दी जा सकती। मेरा सरकार से अनुरोध है कि शीत लहर और पाता को भी अकाल और

अतिवृष्टि की तरह सीआरएफ में शामिल किया जाए और इसे प्राकृतिक आपदा घोषित किया जाए।

मेरा निवेदन है कि वर्षों से हमारे यहां बार-बार अकाल पड़ रहा है। कभी-कभी अच्छी फसल होती है, लेकिन इस प्रकार से प्राकृतिक आपदा से फसलों की बरबाटी के कारण किसानों को बहुत नुकसान उठाना पड़ता है। मेरा भारत सरकार से निवेदन है, राजस्थान सरकार ने भी प्रत्यावर मेजा है और हमने भी ज्ञापन दिया है और किसान संगठन भी बार-बार मांग कर रहे हैं कि आप इस आपदा को सीआरएफ में शामिल करें। यह राजस्थान के लिए बहुत बड़ा मुद्दा बन चुका है। मंत्री जी सदन में बैठे हुए हैं। वे किसानों के लिए की बात करें और बहाना बना कर किसान को मारने की बात न की जाए। धन्यवाद।